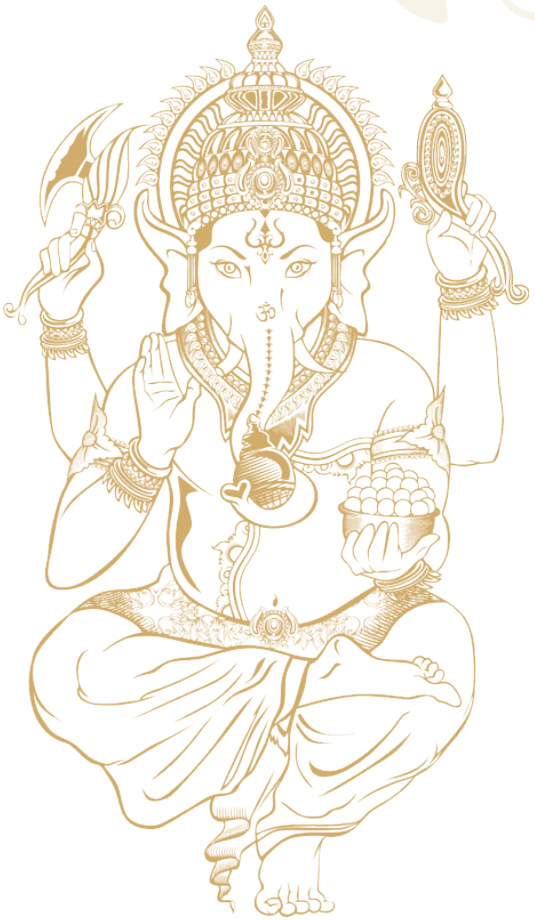

Akhil Vipra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120814405

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/12/1999	जन्म तिथि	19/08/1999
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 20:30:00	जन्म समय	20:58:00 घंटे
घटी 33:43:02	जन्म समय(घटी)	37:43:43 घटी
India	देश	India
Sonipat	स्थान	Rohtak
28:59:00 उत्तर	अक्षांश	28:54:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	76:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:47	सूर्योदय	05:54:09
17:23:55	सूर्यास्त	18:59:42
23:51:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:55

विंशोत्तरी
गुरु 11वर्ष 2मा 25दि

शनि	
01/03/2011	
01/03/2030	
शनि	04/03/2014
बुध	11/11/2016
केतु	21/12/2017
शुक्र	20/02/2021
सूर्य	02/02/2022
चन्द्र	03/09/2023
मंगल	12/10/2024
राहु	19/08/2027
गुरु	01/03/2030

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
02:20:43	कर्क	लग्न	मीन	14:58:25
19:10:06	वृश्चि	सूर्य	सिंह	02:21:55
23:58:11	तुला	चंद्र	वृश्चि	08:35:54
13:18:43	मक	मंगल	तुला	27:36:44
29:07:52	तुला	बुध	कर्क	14:47:49
01:32:56	मेष व	गुरु	मेष	11:05:20
05:46:32	तुला	शुक्र व	सिंह	03:43:03
17:41:00	मेष व	शनि	मेष	23:14:11
11:13:45	कर्क व	राहु	कर्क	19:01:29
11:13:45	मक व	केतु	मक	19:01:29
19:47:39	मक	हर्ष व	मक	20:29:53
08:29:07	मक	नेप व	मक	08:29:35
16:35:34	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:53:21

विंशोत्तरी
शनि 11वर्ष 5मा 29दि

बुध	
17/02/2011	
17/02/2028	
बुध	15/07/2013
केतु	13/07/2014
शुक्र	13/05/2017
सूर्य	19/03/2018
चन्द्र	18/08/2019
मंगल	15/08/2020
राहु	04/03/2023
गुरु	09/06/2025
शनि	17/02/2028

लग्न-चलित

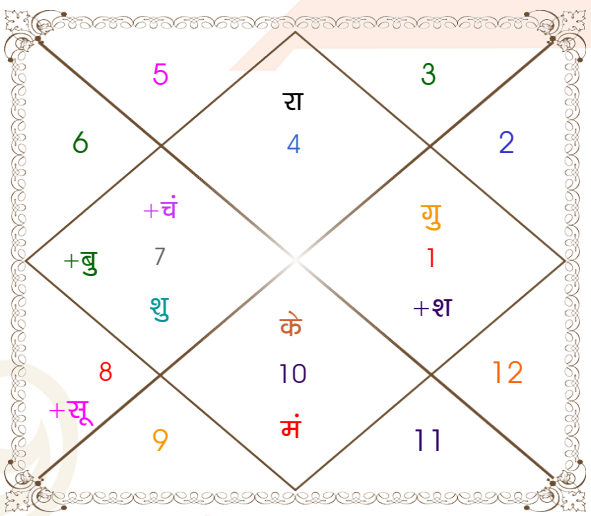

लग्न-चलित

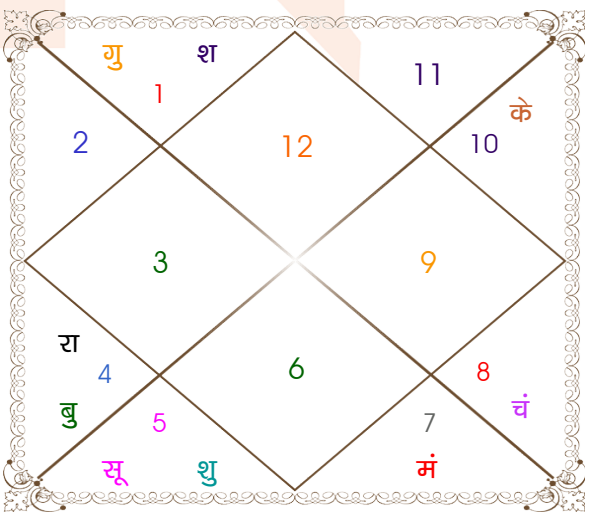

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Akhil का वर्ग सर्प है तथा Vipra का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Akhil और Vipra का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Akhil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Akhil कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Akhil कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Vipra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Akhil तथा Vipra में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।